

# सचिन खिलाड़ी ने पुरुषों की गोला फेंक इवेंट में जीता सिल्वर मेडल

भारत को झोली में आया 21वां पदक

नयी दिल्ली, 4 सितम्बर। भारत को पेरिस पैरालंपिक 2024 के सातवें दिन सचिन खिलाड़ी ने भारत को 21वां मेडल दिलाया। 34 वर्षीय सचिन ने पेरिस पैरालंपिक में डेब्यू पर ही कमाल कर दिया। उन्होंने मंस शूटपुट 46 इवेंट का सिल्वर मेडल जीत इतिहास रचा है। फाइनल मुकाबले में कनाडा के डिफेंडिंग चैंपियन ग्रेग स्टीवर्ट के साथ सचिन की कड़ी टक्कर देखने को मिली। दोनों ने अपने 6 प्रयासों में कई बाद 16 मीटर की बाधा को पार किया। आखिर में स्टीवर्ट ने गोल्ड मेडल जीता। क्रोएशिया के लुका बेकोविक ने 16.27 मीटर के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। सचिन ने इससे पहले 2023 और 2024 में दो बार गोल्ड मेडल जीता। साथ ही हांगजो में एशियाई पैरा खेलों के गोल्ड मेडलिस्ट भी रहे। जिससे पेरिस में उन्हें गोल्ड मेडल का दावेदार माना जा रहा था। सचिन ने अपने दूसरे प्रयास में 16.32 मीटर का रिकॉर्ड बनाया। महाराष्ट्र के सांगली में जन्में सचिन के बाएं हाथ में हरकत सीमित है। 9 साल की उम्र में साइकिल से गिरने से हाथ में फ्रैक्चर हो गया और बाद में गैंग्रीन की वजह से



उन्के हाथ का मूवमेंट प्रभावित हो गया। सचिन जब कॉलेज में थे तब से ही भाला फेंकना शुरू कर दिया था। बाद में राष्ट्रीय स्पर्धाओं में गोल्ड मेडल जीते। 2019 में उन्हें कंधे में चोट लग गई, जिसके कारण उन्हें जैवलिन श्रो को छोड़ना पड़ा। कोच सत्य नारायण से बातचीत के बाद उन्होंने शॉट पुट में हाथ आजमाया। अपने मौजूदा कोच अरविंद चव्हाण के मार्गदर्शन में सचिन ने शॉट पुट में कई रिकॉर्ड तोड़े, जिसे बुधवार को पैरालंपिक में सिल्वर मेडल जीतने के साथ नया मुकाम मिला। हालांकि, सचिन ढढ़ाई में अच्छे थे,

श्रो में 60 मीटर की श्रो के साथ गोल्ड मेडल जीता। 2013 में यूपीएससी और महाराष्ट्र राज्य परीक्षाओं की तैयारी करने के कारण सचिन ने खेलों से 3 साल का ब्रेक ले लिया। यूपीएससी की तैयारी के दौरान, उन्हें रियो पैरालंपिक चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी देवेंद्र झाझरिया के बारे में पढ़ा और पैरा स्पर्धाओं में भाग लेने का फैसला किया। 2016 में अपनी श्रेणी के लिए वर्गीकृत होने के बाद, उन्होंने 2017 में जयपुर में पैरा नेशनल्स में 58.47 मीटर के श्रो के साथ भाला फेंक में गोल्ड मेडल जीता। लेकिन फिर एक वक्त आया जब महाराष्ट्र में सूखे के कारण सचिन के परिवार को भारी आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ा था। सचिन को कुछ समय के लिए एक कौचिंग में पढ़ाना शुरू किया। जेवलिन श्रो में एफ46 श्रेणी में राष्ट्रीय चैंपियन बनने के बाद कंधे में चोट लगने के बाद सचिन ने इस खेल को छोड़ने के बारे में सोचा। जिसके बाद कोच सत्य नारायण के एक कॉल ने उन्हें शॉटपुट में प्रतिस्पर्धा करने का फैसला करने में मदद की और महाराष्ट्र के इस एथलीट ने उसी साल ट्यून्यूजीनिया में विश्व पैरा ग्रांड प्रिक्स में गोल्ड पदक जीता।

# पुणे में हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष अंतर विभागीय राष्ट्रीय चैंपियनशिप आज से



पुणे, 4 सितम्बर। हॉकी महाराष्ट्र पांच से 15 सितंबर तक हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष अंतर विभागीय राष्ट्रीय चैंपियनशिप के चौथे सत्र की मेजबानी करेगा। प्रतियोगिता में 18 टीम हिस्सा लेंगी जिन्हें चार पूल में विभाजित किया गया है। यह 10 दिवसीय टूर्नामेंट पुणे के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में खेला जाएगा जो बेंगलुरु और नयी दिल्ली के बाद प्रतियोगिता की मेजबानी करने वाला तीसरा शहर होगा। प्रतिभागियों में दो बार का विजेता और गत चैंपियन पेट्रोलियम खेल संवर्धन बोर्ड (पीएसपीबी) तथा 2022 का

विजेता रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड (आरएसपीबी) भी शामिल है। प्रत्येक पूल में चार टीमों शामिल होंगी जिसमें से शीर्ष दो टीम अंतिम आठ में जगह बनाएंगी। पूल ए में पीएसपीबी को आईटीबीपी केंद्रीय हॉकी टीम, भारतीय खेल प्राधिकरण, केंद्रीय सिविल सेवा संस्कृति और खेल तथा केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के साथ रखा गया है। आरएसपीबी, अखिल भारतीय पुलिस खेल नियंत्रण बोर्ड, गुजरात खेल प्राधिकरण, हॉकी अकादमी और स्टील प्लांट्स खेल बोर्ड को पूल बी में जगह मिली है।

पूल सी में सेना खेल नियंत्रण बोर्ड होगा, भारतीय खाद्य निगम, सशस्त्र सीमा बल और तमिलनाडु पुलिस जबकि पूल डी में पंजाब नेशनल बैंक, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की टीमों शामिल होंगी। पहला मैच गुरुवार को स्टील प्लांट्स खेल बोर्ड और अखिल भारतीय पुलिस खेल नियंत्रण बोर्ड के बीच खेला जाएगा।

## पेरिस पैरालंपिक: परमजीत पावरलिफ्टिंग मुकाबले में हारे

पेरिस, 4 सितंबर। भारतीय पैरा एथलीट परमजीत कुमार को बुधवार को पावरलिफ्टिंग 49 किलोग्राम वर्ग के मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। आज यहां हुए मुकाबले में पैरा एथलीट परमजीत कुमार 150 किलोग्राम के सर्वश्रेष्ठ भार उठाने के साथ आठवें स्थान पर रहे। अजीत ने भाला फेंक स्पर्धा में रजत और सुंदर ने कांस्य पदक जीता। मंगलवार देर रात हुये मुकाबले में अजीत सिंह ने 65.62 मीटर के सर्वश्रेष्ठ श्रो के साथ रजत पदक अपने नाम किया। स्पर्धा के दौरान सुंदर सिंह गुजर 64.96 मीटर के अपने चौथे श्रो के बाद दूसरे स्थान पर थे।

## पैरा साइकिलिंग में अरशद 11वें और ज्योति 16वें स्थान पर रही

पेरिस, 4 सितंबर। भारतीय पुरुष और महिला पैरा साइकिल चालक बुधवार को दुई स्पर्धाओं में क्रमशः 11वें और 16वें स्थान पर रहे। पैरासाइकिलिंग पुरुष सी2 व्यक्तिगत टाइम ट्रायल में अरशद शेख पॉडियम फिनिश से चूक गए। टाइम ट्रायल राउंड में अरशद 25:20.11 के समय के साथ 11वें स्थान पर रहे। वहीं महिला पैरा साइकिलिंग सी1-3 व्यक्तिगत टाइम ट्रायल फाइनल में ज्योति गडेरीया ने किया निराशा। ज्योति ने 30:00.16 के समय के साथ 14.1 किलोमीटर की दूरी तय करके 16वां स्थान हासिल किया। पेरिस पैरालंपिक 2024 में ज्योति का सफर अभी खत्म नहीं हुआ है। वह सात सितंबर को होने वाली सी1-3 राउंड रैस में हिस्सा लेंगी।

# जायसवाल ने कहा, रोहित से आप विकेट और स्थिति के अनुसार बल्लेबाजी में बदलाव करना सीख सकते हैं

बेंगलुरु, 4 सितम्बर। यशस्वी जायसवाल को लगता है कि टेस्ट करियर में नई ऊंचाइयों को छूने की उनकी उम्मीदें कप्तान रोहित शर्मा के साथ बल्लेबाजी पर टिकी हैं और उन्होंने इस अनुभव को बेहद शिक्षापद बताया। पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ पदार्पण करने वाले जायसवाल ने रोहित के साथ नौ टेस्ट मैच खेले हैं और अपने कप्तान के साथ शीर्ष क्रम में सफल जोड़ी बना चुके हैं तथा कई शतकीय साझेदारियां कर चुके हैं। दलीप ट्रॉफी की पूर्व संस्था पर जायसवाल ने कहा, "जब भी मैं उनके साथ बल्लेबाजी करने जाता हूँ तो यह अविश्वसनीय अनुभव होता है। उन्होंने अपने अनुभव मेरे साथ साझा करते हैं। मुझे लगता है कि जिस तरह से वह खेल को नियंत्रित करते हैं और विकेट को समझते हैं, वह बिल्कुल सटीक होता है और उनसे सीखने के लिए बहुत कुछ है।"



उन्होंने कहा, "आप उनसे तेज गेंदबाजी या स्पिनर के अनुकूल विकेट के हिसाब से अपनी बल्लेबाजी में बदलाव करने या एक या दो विकेट गिरने पर अपनी बल्लेबाजी बदलने जैसी चीजें सीख सकते हैं।" शीर्ष स्तर के क्रिकेट में एक साल पूरा करने वाले जायसवाल ने कहा कि पिछले 12 महीनों में वह अपने खेल के बारे में काफी जागरूक हो गए हैं। उन्होंने कहा, "अब मैं बहुत सारे परिदृश्य देख सकता हूँ और टीम के लिए अपने खेल को बदल सकता हूँ और परिस्थितियों को पढ़ सकता हूँ। मुझे लगता है कि पिछले एक साल में ये मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा है। जब मैं घरेलू क्रिकेट खेल रहा था, तो मुझे कई चीजों के बारे में पता नहीं था।" जायसवाल ने कहा, "लेकिन जब से मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला शुरू किया

# बीसीसीआई दलीप ट्रॉफी के पहले दौर के बाद टेस्ट टीम की घोषणा कर सकती है

नयी दिल्ली, 4 सितंबर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) पांच से आठ सितंबर तक बेंगलुरु और अंततपुर में खेले जाने वाली दलीप ट्रॉफी के पहले दौर के बाद बंगलादेश के साथ होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए टीम की घोषणा कर के दौरान उनसे बात की थी। उन्होंने वास्तव में हमारा समर्थन करते हुए कहा कि बस मैदान में जाओ और खुलकर खेलो और खेल का आनंद लो और हम तुम्हारे साथ रहेंगे। इससे हमें बहुत आत्मविश्वास मिलता है और हमें निडर होकर खेलने में मदद मिलती है।" बाएं हाथ के बल्लेबाज ने कहा कि वह बंगलादेश के खिलाफ आगामी दो मैचों की श्रृंखला से पहले अपने को खेल में निखारने के लिए दलीप ट्रॉफी का इस्तेमाल एक टूर्नामेंट मंच के रूप में करना चाहते हैं।

नयी दिल्ली, 4 सितंबर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) पांच से आठ सितंबर तक बेंगलुरु और अंततपुर में खेले जाने वाली दलीप ट्रॉफी के पहले दौर के बाद बंगलादेश के साथ होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए टीम की घोषणा कर के दौरान उनसे बात की थी। उन्होंने वास्तव में हमारा समर्थन करते हुए कहा कि बस मैदान में जाओ और खुलकर खेलो और खेल का आनंद लो और हम तुम्हारे साथ रहेंगे। इससे हमें बहुत आत्मविश्वास मिलता है और हमें निडर होकर खेलने में मदद मिलती है।" बाएं हाथ के बल्लेबाज ने कहा कि वह बंगलादेश के खिलाफ आगामी दो मैचों की श्रृंखला से पहले अपने को खेल में निखारने के लिए दलीप ट्रॉफी का इस्तेमाल एक टूर्नामेंट मंच के रूप में करना चाहते हैं।

खिलाड़ी खेलते नजर आएंगे। इनके अलावा कई और ऐसे खिलाड़ी हैं जो दलीप ट्रॉफी के प्रदर्शन के आधार पर भारतीय टीम में आने की अपनी दावेदारी पेश करेंगे। इनमें देवदत्त पंडिकर, रजत पाटीदार, यश दयाल, बी साई सुदर्शन जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। भारत बंगलादेश के खिलाफ दो मैचों के साथ अपने सत्र चेन्नई के चेन्नई स्टेडियम में 12 सितंबर से शुरू होगा। भारत और बंगलादेश के बीच दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला की शुरुआत 19 सितंबर से होगी। बंगलादेश का अभ्यास सत्र दलीप ट्रॉफी में शुभमन गिल, केएल राहुल, ध्रुव शुरेल, कुलदीप यादव, आकाश दीप, यशस्वी जयसवाल, सरफराज खान, ऋषभ पंत, मुकेश कुमार, श्रेयस अय्यर, अर्शदीप सिंह और केएस भरत समेत अन्य

## आईपीएल में सालों बाद राहुल द्रविड़ की वापसी, राजस्थान रॉयल्स के हेड कोच बने

नई दिल्ली, 4 सितम्बर। टीम इंडिया के पूर्व हेड कोच राहुल द्रविड़ की सालों बाद आईपीएल में वापसी हो गई है। दरअसल, राहुल द्रविड़ को राजस्थान रॉयल्स के हेड कोच बने है। एक रिपोर्ट के मुताबिक द्रविड़ को आईपीएल 2025 से पहले टीम का कोच बना दिया गया है। द्रविड़ ने राजस्थान रॉयल्स के साथ एक डील साइन की है। द्रविड़ अपने आईपीएल करियर के दौरान राजस्थान टीम के कप्तान रह चुके हैं। इसके बाद वह टीम के मेंटर भी रहे।

क्रिकेट्सोफो की एक खबर के मुताबिक राजस्थान ने द्रविड़ को हेड कोच बनाया है। उन्होंने राजस्थान के साथ एक डील साइन की है। द्रविड़ हेड कोच बनने के बाद मेगा ऑप्शन के दौरान अहम भूमिका निभाएंगे। उनका टीम के साथ काफी अच्छा रिश्ता रहा है। कप्तान संजु सैमसन भी द्रविड़ के काफी करीब रहे हैं। बता दें कि, राहुल द्रविड़ राजस्थान रॉयल्स के मेंटर भी रहे हैं। उनका आईपीएल करियर भी शानदार रहा है। वे आईपीएल 2012 और



2013 में राजस्थान टीम के कप्तान भी रहे। इसके बाद दो साल और जुड़े रहे। इसके बाद 2016 में दिल्ली डेयरडेविल्स के साथ जुड़ गए।

# मोदी ने दीप्ति, अजीत, सुंदर, शरद और मरियप्पन को पदक जीतने पर दी बधाई

नयी दिल्ली, 4 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पेरिस पैरालंपिक की विभिन्न स्पर्धाओं में पदक जीतने वाले भारतीय एथलीट दीप्ति जोवनजी, अजीत सिंह, सुंदर सिंह गुजर, शरद कुमार और मरियप्पन शंभावेलु को बधाई दी। मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, पैरालंपिक 2024 में महिलाओं की 400 मीटर टी20 स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर दीप्ति जोवनजी को बधाई। वह असंख्य लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

अजीत सिंह और दृढ़ता सराहनीय है। उन्होंने अन्य पोस्ट श्रृंखला में भाला फेंक स्पर्धा के विजेताओं को बधाई देते हुए कहा, अजीत सिंह की अभूतपूर्व उपलब्धि, उन्होंने पेरालंपिक 2024 में पुरुषों की भाला फेंक एफ46 स्पर्धा में रजत पदक जीता। खेल के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और दृढ़ता ने भारत को गौरवान्वित किया है। उन्होंने पोस्ट किया, सुंदर सिंह गुजर का शानदार प्रदर्शन, पैरालंपिक 2024 में पुरुषों की भाला फेंक एफ46 स्पर्धा में कांस्य पदक

जीतना। उनका समर्पण और जोश लाजवाब है। इस उपलब्धि के लिए बधाई। प्रधानमंत्री ने ऊंची कूद स्पर्धा के विजेताओं बधाई देते हुए लिखा, शरद कुमार ने पैरालंपिक 2024 में पुरुषों की ऊंची कूद टी 63 में रजत पदक जीता। निरंतरता और उत्कृष्टता के लिए वह प्रशंसा के पात्र हैं। उन्हें बधाई। वे पूरे देश को प्रेरित करते हैं। उन्होंने पोस्ट किया, पुरुषों की ऊंची कूद टी63 स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर मरियप्पन शंभावेलु को बधाई।

# शरत कमल की निकट भविष्य में संन्यास की योजना नहीं

टूर पर एक और सत्र खेलेंगे नयी दिल्ली, 4 सितम्बर। भारत के महान टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल के पांचवें ओलंपिक में हिस्सा लेने के बाद संन्यास की योजना बनाने की उम्मीद थी लेकिन 42 साल के इस खिलाड़ी ने बुधवार को पेशेवर टूर पर एक और सत्र में खेलने की प्रतिबद्धता जाहिर की। शरत को बुधवार को एशियाई चैम्पियनशिप की पुरुष टीम का कप्तान बनाया गया जो अगले महीने अस्ताना में खेले जायेंगे। पेरिस ओलंपिक में भारत के ध्वजवाहक शरत ने पीटीआई से कहा कि वह सात अक्टूबर से शुरू होने वाले एशियाई चैम्पियनशिप के लिए कजाखस्तान की यात्रा से पहले इस महीने के अंत में चाइना स्मैश में हिस्सा लेंगे। भारत की सर्वश्रेष्ठ 37 रैंकिंग हासिल करने वाले शरत दोहा में 2025 विश्व चैम्पियनशिप में खेलने का लक्ष्य भी बनाये हैं। इस अनुभवी खिलाड़ी ने कहा, "अगले नौ महीने से एक साल तक मैं सक्रिय खिलाड़ी बना रहूंगा। लेकिन साथ ही मैं आईओसी और आईटीएफ में विकल्प की तलाश करूंगा। अपने देश में टीटीएफआई के साथ एक ढांचा बनाने में मदद करने की कोशिश करूंगा ताकि साई और टीटीएफआई के



बीच अंतर कम हो सके और खेल में ज्यादा से ज्यादा कोरपोरेट प्रायोजक आएं।" शरत अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) के एथलीट आयोग में चुने जाने वाले पहले भारतीय हैं। वह भारतीय ओलंपिक संघ में एथलीट संस्था का भी हिस्सा हैं और निकट भविष्य में वह अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के एथलीट आयोग में एक सीट हासिल करने का लक्ष्य बनाये हैं। उन्होंने 2028 ओलंपिक में भारत के ध्वजवाहक शरत की लेंकिन उन्हें 2026 एशियाई खेलों में भाग लेने की संभावना है। उन्होंने कहा, "मैं अगले साल एशियाई खेलों पर फैसला लेना चाहूंगा। ओलंपिक के बाद मेरी फिटनेस ठीक है। मुझे थोड़ा समय भी मिला और चेन्नई में यूटीटी (अल्टीमेट टेबल टेनिस लीग) है। मैं व्यक्तिगत जिंदगी में भी संतुलन बना रहा हूँ।

# पाकिस्तान की हार पर छलका वसीम अकरम का दर्द

नई दिल्ली, 4 सितम्बर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम की हार से हर पाकिस्तान आहत है। बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में पाकिस्तान की बह पीटी है। इस सीरीज को बांग्लादेश ने 2-0 से जीता है। जिसके बाद पाकिस्तान की हार पर पूर्व दिग्गज रन गेंदबाज वसीम अकरम का दर्द छलका है। उन्होंने कहा कि उन्हें पाकिस्तान की हार हजम नहीं हो पा रही है। वसीम अकरम का मानना है कि पाकिस्तान अच्छी स्थिति में होने के बावजूद कैसे हार गई। पाकिस्तान ने पहले टेस्ट की पहली पारी में 6 विकेट सिर्फ 26 रन पर गिरा दिए थे। हालांकि, पाकिस्तान टीम फिर से मौके को भुनाने से चूक गई। वसीम अकरम ने एफपी से कहा कि, ये बहुत बड़ा झटका है और हमारा क्रिकेट दोराह पर खड़ा है। बतौर पूर्व खिलाड़ी और कप्तान और एक खेल प्रेमी के होने के नाते मैं इस बात से शर्मिंदा हूँ कि वे अच्छी स्थिति में होने के बावजूद हार गए। मैं इसे समझ नहीं पा रहा हूँ। हम घरेलू मैदान पर लगातार हार रहे हैं और ये हमारे क्रिकेट की क्वालिटी के बारे में बहुत कुछ बताता है। बांग्लादेश ने पहले बार पाकिस्तान से टेस्ट सीरीज जीती है। अकरम का कहना है कि पाकिस्तान के घरेलू क्रिकेट में प्रतिभा की कमी है, जिसका काफी असर पड़ा है।

# नितेश कुमार ने कहा- प्रमोद भगत की गैरमौजूदगी ने गोल्ड मेडल जीतने की 'अतिरिक्त जिम्मेदारी' दी

नई दिल्ली, 4 सितम्बर। भारत के बैडमिंटन पुरुष एकल स्पर्धा पदक विजेता नितेश कुमार ने बुधवार को कहा कि पेरिस पैरालंपिक में प्रमोद भगत की अनुपस्थिति ने उन्हें खिताब जीतने की 'अतिरिक्त जिम्मेदारी' दी। पुरुष एकल एस्पलसी वर्ग में स्वर्ण जीतने वाले नितेश, तुलसीमति मुरुगसन (रजत), सुहास यथिराज (रजत), मनीषा रामदास (कांस्य) और नित्या श्री सिवन (कांस्य) को बुधवार को यहां भारतीय खेल प्राधिकरण रन पर गिरा दिए थे। हालांकि, पाकिस्तान टीम 'खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने उनकी उपलब्धि के लिए सम्मानित किया। नितेश ने कहा कि पैरा खेलों से पहले भगत को 18 महीने के लिए निलंबित किए जाने के बाद उनका मंत्र पैरालंपिक में एक समय में एक मैच पर ध्यान देना था। नितेश ने पीटीआई से खास बातचीत में कहा, "मैंने एक बार में एक मैच पर ध्यान देने के बारे में सोचा, दुनिया के नंबर एक, शीर्ष वरीय के रूप में वहां जाना, मेरे लिए खिताब जीतना एक जिम्मेदारी थी, विशेषकर तब जब प्रमोद पैरालंपिक में भाग लेने में असमर्थ थे।" उन्होंने कहा, "भारत के लिए जीतना मेरे लिए एक अतिरिक्त जिम्मेदारी थी। फाइनल



में प्रवेश करते हुए मुझे पता था कि यह हम का रंग बदलने के लिए और मेहनत करनी होगी।" मुख्य कोच गौरव खन्ना ने उम्मीद जताई कि अगले पैरालंपिक में भारत के पदकों की संख्या में सुधार होगा। उन्होंने कहा, "हमारा लक्ष्य आठ से 10 पदक जीतना था लेकिन हमें पांच से ही संतोष करना पड़ा। हमें उम्मीद है कि हम 2028 में अपने लक्ष्य को हासिल कर लेंगे।

करेंगे। मेरा मानना है कि जिस तरह से हमारे खिलाड़ी पैरालंपिक में प्रदर्शन कर रहे हैं, उससे उनका भविष्य उज्ज्वल है।" मांडविया ने कहा, "भारत के पास पैरालंपिक में अब भी 11 और पदक जीतने का मौका है।" तोक्यो में रजत पदक जीतने के बाद पेरिस में भी उप विजेता रहे सुहास ने जल्द ही संन्यास लेने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, "रजत पदक जीतना अपने आप में एक चुनौती है। हर खिलाड़ी स्वर्ण पदक जीतना चाहता है और जब वे नहीं जीत पाते तो निराशा होती है।" सुहास ने अपने संन्यास के बारे में कहा, "जीवन एक यात्रा है और मैं इस पल को जीना चाहता हूँ, खेल में अपने भविष्य के बारे में अभी ज्यादा नहीं सोचना चाहता।" तुलसीमति ने कहा, "मैं रजत पदक से खुश हूँ। मुझे लगता है कि मुझे अपने पदक का रंग बदलने के लिए और मेहनत करनी होगी।" मुख्य कोच गौरव खन्ना ने उम्मीद जताई कि अगले पैरालंपिक में भारत के पदकों की संख्या में सुधार होगा। उन्होंने कहा, "हमारा लक्ष्य आठ से 10 पदक जीतना था लेकिन हमें पांच से ही संतोष करना पड़ा। हमें उम्मीद है कि हम 2028 में अपने लक्ष्य को हासिल कर लेंगे।